पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय
छत्तीसगढ़, बिलासपुर

पाठ्यक्रम

पी.जी. डिप्लोमा इन छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य

कोड-PGDCLL

पी.जी. डिप्लोमा इन छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य

उद्देश्य :

पी.जी. डिप्लोमा इन छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य पाठ्यक्रम की संरचना इस तरह की गई है जिससे प्रवेशित विद्यार्थी छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति को जान सकें तथा उनके ज्ञान में गुणात्मक वृद्धि हो सके। इस पाठ्यक्रम को निर्धारित करते समय इस बात का ध्यान रखा गया है कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति (Open and Distance Learning mode) के माध्यम से इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों की सहभागिता मनोयोग पूर्ण बनी रहे। विद्यार्थी छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य के आदि से आधुनिक रूप को समझ सकें, उससे समन्वय स्थापित कर सकें। पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है-

- छत्तीसगढ़ी साहित्य के विकासक्रम को बताना।
- छत्तीसगढ़ी भाषा एवं अंतर्वतनी बोलियों तथा संस्कृति की जानकारी देना।
- छत्तीसगढ़ी के लोक-व्यवहार को बताना और शिक्षा और रोजगारोन्मुख बनाना।

पाठ्यक्रम की संरचना :

यह पाठ्यक्रम एक वर्ष का होगा। पाठ्यक्रम में चार प्रश्न-पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न-पत्र आठ (08) क्रेडिट का होगा। इस तरह पूरे पाठ्यक्रम के लिए कुल क्रेडिट 32 होंगे। प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं, जिसमें सत्रीय कार्य (TMA) 30 अंक का तथा सत्रांत परीक्षा (TEE) हेतु 70 अंक होंगे। तालिका रूप में इस प्रकार है-

Course Code	Title of Paper	Marks		Credits
		TMA	TEE	
PGDCLL -01	छत्तीसगढ़ी भाषा एवं व्याकरण	30	70	08
PGDCLL -02	छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य	30	70	08
PGDCLL -03	छत्तीसगढ़ी साहित्य	30	70	08
PGDCLL -04	प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी	30	70	08

06/09/2021 6.9.21 06.09.2021 06.9.2021 06/9/2021

प्रथम प्रश्न-पत्र

छत्तीसगढ़ी भाषा एवं व्याकरण

इकाई-1

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का विकासक्रम।
2. छत्तीसगढ़ की प्रमुख बोलियाँ एवं उनका भौगोलिक विस्तार।
3. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं देवनागरी लिपि।

इकाई-2

शब्द-भेद-

1. संज्ञा
2. सर्वनाम
3. विशेषण
4. क्रिया
5. अव्यय/अविकारी शब्द (क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चबोधक, विस्मयादिबोधक)।

इकाई-3

व्याकरणिक कोटियाँ-

1. पुरुष
2. काल (छत्तीसगढ़ी की क्रियाओं में वर्तमान, भूत तथा भविष्य काल के विविध रूप)
3. लिंग
4. वचन
5. कारक
6. वाच्य
7. छत्तीसगढ़ी में विराम चिह्नों का उपयोग।

इकाई-4

1. शब्द रचना की विधियाँ (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास)
2. वाक्य रचना (संरचना एवं अर्थ के आधार पर)
3. प्रत्यय
4. संधि (हिंदी में संधि, छत्तीसगढ़ी में संधि)
5. समास।

सहायक पुस्तक सूची :

1. जार्ज ग्रियर्सन- लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ़ इंडिया।
2. हीरालाल काव्योपाध्याय- ए ग्रामर ऑफ छत्तीसगढ़ी डायलेक्ट।
3. रमेशचंद्र महरोत्रा एवं अन्य -मानक छत्तीसगढ़ का सुलभ व्याकरण।
4. कांति कुमार- छत्तीसगढ़ी व्याकरण और कोश।
5. चित्तरंजन कर- छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक-कोटियाँ।
6. शंकर शेष- छत्तीसगढ़ का भाषाशास्त्रीय अध्ययन।
7. नरेंद्र कुमार सौदर्शन- छत्तीसगढ़ के उपसर्ग।

<u>द्वितीय प्रश्न-पत्र</u>

छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य

इकाई-1

छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य : वर्गीकरण एवं प्रासंगिकता-

1. लोकगीत
2. छत्तीसगढ़ी लोकगाथा-
   (1) छत्तीसगढ़ी लोकगाथाएँ (प्रेम प्रधान गाथाएँ, धार्मिक एवं पौराणिक गाथाएँ, वीर गाथाएँ)
   (2) ढोला मारू की गाथा
   (3) बाँस गीत के अंतर्गत गायी जाने वाली लोकगाथाएँ।
   (4) देवार जाति द्वारा गाई जाने वाली लोकगाथाएँ
   (5) छत्तीसगढ़ी लोकगाथा की विशेषताएँ

इकाई-2

छत्तीसगढ़ी लोककथा-

1. लोककथा का उद्भव, विकास
2. छत्तीसगढ़ी लोककथाओं में शिक्षाप्रद बातें
3. छत्तीसगढ़ी लोककथाओं में भावाभिव्यंजना
4. छत्तीसगढ़ी लोककथाओं का कथा-शिल्प
5. छत्तीसगढ़ी लोककथा (कहिनी)

इकाई-3

छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य-

1. छत्तीसगढ़ी के लोकनाट्य

2. छत्तीसगढ़ी के लोकनाट्य में गीत
3. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य का महत्व
4. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य की विशेषताएँ

इकाई-4

लोक सुभाषित-

1. छत्तीसगढ़ी लोक कहावतें (हाना)
2. छत्तीसगढ़ी हाना (कहावतें)
3. मुहावरे
4. पहेलियाँ

सहायक पुस्तक सूची :

1. नारायण लाल परमार- छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य।
2. मन्नू लाल यदु- छत्तीसगढ़ लोकोक्तियाँ।
3. मदनलाल गुप्त- छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं लोक आयाम के विभिन्न स्वरूप।
4. बिहारी लाल साहू- छत्तीसगढ़ साहित्य और भाषा।
5. हीरालाल शुक्ल- छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश।

तृतीय प्रश्न-पत्र

छत्तीसगढ़ी साहित्य

इकाई-1

छत्तीसगढ़ी काव्य : उद्‌भव और विकास-

1. पण्डित सुन्दरलाल शर्मा - छत्तीसगढ़ी दानलीला
2. पण्डित द्वारिका प्रसाद तिवारी 'विप्र'
   (1) धमनी हाट
   (2) धन-धन रे मोर किसान
   (3) सरद रितु आगे
3. कुंज बिहारी चौबे-
   (1) चल मोर भैया बियासी के नांगर
   (2) तंय ठग डारे हमला रे गोरा
   (3) गाँधी-गौरा
4. लाला जगदलपुरी-

(1) पुन्नी के चन्दा

(2) बरखा

(3) नाचे सोन चिरैया

5. पवन दीवान-

(1) सबो होही राख

(2) कइसे करे किसान

(3) सुरुज टघलत हे..

इकाई-2

1. हरि ठाकुर-

(1) बादर गीत

(2) सुरता

(3) सबे खेत ला बना दिन खदान

2. नरेन्द्रदेव वर्मा-

(1) छत्तीसगढ़ वंदना

(2) छुनिया अठवारी बाज़ार रे उसल जाही

(3) खेत ला बिसार झन

3. रामेश्वर वैष्णव-

(1) अइसन दीया बार

(2) रात कटही

(3) अमरनाथ मरगे

4. विनय कुमार पाठक-

(1) तब्भे चिरई उड़िगे

(2) मोर गाँव रे

(3) हम पथरा गोटी नोहन

5. लक्ष्मण मस्तुरिया-

(1) मंय छत्तीसगढ़िया अंव

(2) मोर संग चलव रे

(3) तोर मोर भेंट कहाँ मेर होही.

इकाई-3

छत्तीसगढ़ी कहानी-

1. पण्डित श्यामलाल चतुर्वेदी - जंगो के जोमर्दी

06/09/2021 06.09.2021 6-9-21 06.9.2021 6/9/2021

2. केयुर भूषण- हाय तोला नई बचाए सकेंव
3. डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा- नाव के नेह मा
4. शिवशंकर शुक्ल- मया के अँचरा

इकाई-4

1. डॉ. परदेशी राम वर्मा- हमला तंयझन भरमा जी
2. डॉ. बिहारीलाल साहू- हाँसन देख
3. सुदामाराम गुप्त-जीवपरी
4. मंगत रवीन्द्र- गोरस के मोल
5. डॉ. उर्मिला शुक्ल- लहुँट आय हे मन्टोरा

सहायक पुस्तक सूची :

1. नरेन्द्र देव वर्मा-छत्तीसगढ़ का उद्विकास।
2. हीरालाल शुक्ल- छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश॥
3. प्यारेलाल गुप्त- प्राचीन छत्तीसगढ़
4. महावीर अग्रवाल- हमर छत्तीसगढ़
5. बलदेव (संपा.)- छत्तीसगढ़ी कविता के सौ साल
6. नंदकिशोर तिवारी- छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन
7. ऋषिराज पाण्डेय- पं. सुन्दरलाल शर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
8. चित्तरंजन कर (संपा.)- छत्तीसगढ़ी ग़ज़ल और मुकुंद कौशल
9. परदेशी राम वर्मा- हमर प्रेमचंद (छत्तीसगढ़ म प्रेमचंद के कहिनी)

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी

इकाई-1

1. प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी का स्वरूप
2. लोक व्यवहार में छत्तीसगढ़ी

इकाई-2

कार्यालयीन छत्तीसगढ़ी-

1. शासकीय
2. अर्धशासकीय

06/09/2021 06.09.2021 6.9.21 06.9.2021 6/9/2021

3. परिपत्र
4. आदेश
5. अधिसूचना
6. सूचना
7. अनुस्मारक
8. निर्देश
9. अनुदेश
10. विज्ञापन
11. आमंत्रण/निमंत्रण-पत्र

इकाई-3

राजकाज की भाषा छत्तीसगढ़ी एवं राजभाषा आयोग

इकाई-4

छत्तीसगढ़ी का अनुप्रयोगात्मक पक्ष-

1. रेडियो, टी.व्ही. और छत्तीसगढ़ी
2. मीडिया और छत्तीसगढ़ी
3. विज्ञापन और छत्तीसगढ़ी
4. नापतौल की परंपरा और छत्तीसगढ़ी।

सहायक पुस्तक सूची :

1. रमेशचंद्र महरोत्रा- (संपा.)- छत्तीसगढ़ी मुहावरे और लोकोक्तियाँ।
2. रमेशचंद्र महरोत्रा एवं अन्य- छत्तीसगढ़ शब्दकोश।
3. रमेशचंद्र महरोत्रा- छत्तीसगढ़ी : परिचय और प्रतिमान।
4. चित्तरंजन कर एवं सुधीर शर्मा- बोलचाल की छत्तीसगढ़ी।
5. सुधीर शर्मा - राजभाषा छत्तीसगढ़ी।
6. प्यारेलाल गुप्त- प्राचीन छत्तीसगढ़।
7. महावीर अग्रवाल- हमर छत्तीसगढ़।
8. डॉ. विनय कुमार पाठक- लोक व्यवहार और कार्यालयीन छत्तीसगढ़ी।

06/09/2021 06.09.2021 06.9.2021 6-5-21 6/9/2021